MPA

एम.ए. (लोक प्रशासन)
एम.पी.ए.

जुलाई 2017 और जनवरी 2018 सत्र के
सत्रीय कार्य
(एम.ए. द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रमों के लिए)

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

एम.ए. द्वितीय वर्ष (लोक प्रशासन)

प्रिय छात्र/छात्राओ,

एम.ए. (लोक प्रशासन) कार्यक्रम की आवश्यकता के अनुसार, प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए आपको एक–एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

सत्रीय कार्यों को हल करने से पहले कृपया अलग से भेजी गई कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को सावधानी से पढ़ लें। यह महत्वपूर्ण है कि आप टी.एम.ए. के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखें, सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और ये आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सत्रीय कार्यों को अपने अध्ययन केंद्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन के पश्चात अध्ययन केंद्र आपको वापस कर देगा। कृपया इस ओर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केंद्र द्वारा अंकों को संबंधित क्षेत्रीय केंद्र को भेजना होता है और बाद में वे उन्हें विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली के पास भेजते हैं।

प्रस्तुतीकरण :

टिप्पणी : इस पुस्तिका में एम.ए. द्वितीय वर्ष में उपलब्ध सभी छह पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य शामिल हैं। किंतु आपको केवल उन्हीं पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य करने होंगे, जिन्हें आपने अपने द्वितीय वर्ष में लिया है। आपसे अनुरोध है कि आप सत्रीय कार्यों को निर्धारित तिथि तक जमा करा दें ताकि आप सत्रांत परीक्षा दे सकें।

सत्रीय कार्यों को पूरा करके निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार भेजें :

सत्रीय कार्य संख्या	प्रस्तुति की तिथि	किसे भेजें
एम.पी.ए–015, एम.पी.ए–016, एम.पी.ए–017, एम.पी.ए–018 **एम.एस.ओ–002 और एम.पी.एस–003 का सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)**	**जुलाई 2017 सत्र के लिए 31 मार्च 2018** **जनवरी 2018 सत्र के लिए 30 सितंबर 2018**	**अपने निर्दिष्ट अध्ययन केंद्र के संचालक को**

सत्रीय कार्य करने के निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) **योजना** : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक उत्तर के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन** : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर को चुनने और विश्लेषण करने का प्रयास कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दें।

   उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि :

   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और
   ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही हों।

3) **प्रस्तुतीकरण :** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में ही लिखें।** जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही हो।

शुभकामनाओं के साथ,

प्रो. ई. वायुनंदन और प्रो. अलका धमेजा
कार्यक्रम संयोजक
एम.ए. (लोक प्रशासन)

एम.पी.ए–015 : लोक नीति और विश्लेषण
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–015
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2017–2018
अंक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग–I

1. लोक नीति के स्वरूप, विषय–क्षेत्र और महत्व की चर्चा कीजिए। 20

2. नीति विश्लेषण के लिए प्रणाली मॉडल की व्याख्या कीजिए। 20

3. नीति-निर्माण में नागरिक समाज की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। 20

4. "विभिन्न क्षेत्रों में नीति-निर्माण प्रक्रिया पर अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों के प्रभाव देखे जा सकते हैं।" टिप्पणी कीजिए। 20

5. लोक नीति निरूपण में प्रमुख व्यवरोध कौन–कौन से हैं? 20

भाग–II

6. नीति मॉनीटरिंग की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए और प्रभावी मॉनीटरिंग के लिए आवश्यक उपाय सुझाइए। 20

7. नीति मूल्यांकन संबंधी समस्याओं का विवेचन कीजिए। 20

8. न्यायिक निकायों की भूमिका के विशेष संदर्भ में नीति वितरण के प्रकारों का वर्णन कीजिए। 20

9. भारत में केंद्रीय सार्वजनिक उद्यमों के विनिवेश की प्रक्रिया की चर्चा कीजिए और विनिवेश नीति का मूल्यांकन कीजिए। 20

10. लागत–लाभ विश्लेषण विधि को परिभाषित कीजिए और इसके लाभों एवं सीमाओं की चर्चा कीजिए। 20

एम.पी.ए–016 : विकेंद्रीकरण और स्थानीय शासन
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–016
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2017–2018
अंक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग–I

1. भारत में लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण के विकास और महत्व की चर्चा कीजिए। 20

2. भारत में लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण के संवैधानिक आयामों का विवेचन कीजिए। 20

3. सशक्तिकरण की संरचनात्मक संरचना का विवेचन कीजिए और प्रभावी सशक्तिकरण के लिए उपाय सुझाइए। 20

4. "भागीदारी, जो सरकार और नागरिकों के बीच भागीदारी कार्यक्रम है उसे अच्छे शासन के मॉडल के स्वरूप में परिभाषित किया जा सकता है।" टिप्पणी कीजिए। 20

5. सामाजिक रूपांतरण के साधन के रूप में पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका का विवेचन कीजिए। 20

भाग–II

6. स्थानीय स्तर पर क्षमता निर्माण के महत्व की व्याख्या कीजिए। 20

7. "74वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1992, नगरपालिकाओं को स्थानीय स्वशासन के प्रभावी संस्थान के रूप में कार्य करने की शक्ति प्रदान करता है।" विवेचन कीजिए। 20

8. जन–भागीदारी के तौर–तरीकों पर एक टिप्पणी कीजिए। 20

9. लघु-स्तरीय आयोजना से संबंधित मूलभूत अवरोध कौन से हैं? 20

10. सतत विकास को परिभाषित कीजिए और शासन के साथ इसके अंतर्संबंध की व्याख्या कीजिए। 20

एम.पी.ए–017 : ई–गवर्नेंस
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–017
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2017–2018
अंक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. ई–शासन (ई–गवर्नेंस) की अवधारणा और इसके मॉडलों की चर्चा कीजिए। 10

2. सूचना और संचार प्रौद्योगिकी को परिभाषित कीजिए और इसके घटकों पर संक्षेप में चर्चा कीजिए। 10

3. नियोजन एवं निर्णयन में भौगोलिक सूचना प्रणाली की भूमिका का उल्लेख कीजिए। 10

4. सार्वजनिक उपक्रमों/सरकारी संगठनों में परंपरागत प्रशासनिक संस्कृति को ई–अनुकूल किस प्रकार बनाया जा सकता है? 10

5. 'कृषि क्षेत्र के विकास में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।' व्याख्या कीजिए। 10

भाग–II

6. आंध्र प्रदेश की ई–पंचायत परियोजना की चर्चा कीजिए। 10

7. ई–अधिगम (ई–लर्निंग) के संदर्भ में आभासी अध्ययन परिवेश का वर्णन कीजिए। 10

8. ई–वाणिज्य (ई–कॉमर्स) के लाभों और सीमाओं का विवेचन कीजिए। 10

9. नागरिक सेवाओं को वितरण योग्य बनाने में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी की भूमिका की व्याख्या कीजिए। 10

10. 'संगठनों को प्रौद्योगिकी–सहज बनाने के मार्ग में कुछ बाधाएँ उत्पन्न हो जाती हैं।' टिप्पणी कीजिए। 10

एम.पी.ए–018 : आपदा प्रबंधन
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–018
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2017–2018
अंक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. मानव–निर्मित आपदाओं का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत कीजिए। 10

2. 'आपदा चक्र की कई अवस्थाएँ हैं।' संक्षेप में चर्चा कीजिए। 10

3. आपदा प्रबंधन के प्रति विकास संबंधी दृष्टिकोण पर प्रकाश डालिए। 10

4. 'जोखिम सहभाजन और हस्तांतरण द्वारा समुत्थान शक्ति का निर्माण होता है' चर्चा कीजिए। 10

5. 'समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन' (Community-based Disaster Management - CBDM) को परिभाषित कीजिए और समुदायों के लिए आपदा तैयारी की प्रमुख गतिविधियों को अग्र करते हुये, उनका उल्लेख कीजिए। 10

भाग–II

6. 'खोज और बचाव' के महत्व की चर्चा कीजिए। खोज और बचाव कार्य करते समय अपनाई जाने वाली आम सावधानियों का उल्लेख कीजिए। 10

7. 'प्रभावी राहत वितरण में माल अधिसंचयन और माल गोदाम भंडारण में समुचित नियोजन की आवश्यकता होती है।' चर्चा कीजिए। 10

8. आपात् प्रचालन केंद्र (Emergency Operations Centre - EOC) पर एक टिप्पणी लिखिए। 10

9. क्षति आकलन की आवश्यक विशेषताओं की चर्चा कीजिए। 10

10. 'पुनःस्थापन और विकास, परस्पर संबंधित हैं।' चर्चा कीजिए। 10

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एम.एस.ओ.–002 : शोध पद्धतिशास्त्र एवं विधियाँ
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

कुल अंक : 100 **कार्यक्रम कोड : एमएसओ**
अधिभारिता : 30%: **पाठ्यक्रम कोड : एमएसओ–002**
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओ–002/
सत्रीय कार्य/टीएमए/2017–18

भाग–I

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही *दो* के उत्तर दीजिए।

1. प्रतिचयन क्या है? प्रायिकता प्रतिचयन की विधियों का वर्णन कीजिए। 25

2. शास्त्रार्थमीमांसा क्या है? अपना उत्तर हैन्स–जॉर्ज गैडेमर के योगदान को ध्यान में रखते हुए लिखिए। 25

3. 'स्वसमावेशी समाजशास्त्र, प्रत्यक्षवाद का एक सार्थक विकल्प है' चर्चा कीजिए। 25

4. सामाजिक विज्ञान शोध में नारीवादी पद्वति की प्रासंगिकता की चर्चा कीजिए। 25

5. संक्षेप में नोट लिखिए: 25

   अ) प्रमुख सूचनादाता
   ब) सहभागी प्रेक्षण
   ग) प्रश्नावली
   घ) साक्षात्कार (इंटरव्यू) तकनीक
   ड़) जनगणना विधि

भाग–II

निम्नलिखित में से किसी *एक* विषयवस्तु पर लगभग 3000 शब्दों में शोध रिपोर्ट लिखिए।

6. सोशल मीडिया में महिलाओं की छवि 50

7. तीर्थयात्राओं और त्योहारों का समाजशास्त्रीय महत्व 50

8. समकालीन दौर में पारिवारिक संरचना एवं पारिवारिक संबंध 50

आप इस रिपोर्ट को साहित्य की समीक्षा या प्राथमिक स्रोतों से संग्रहित आँकड़ों के आधार पर लिख सकते हैं।

साहित्य की समीक्षा के लिए आपको, अपनी पसंद के चयनित विषय पर हाल ही में प्रकाशित दो पुस्तकों या चार शोध लेखों का चयन करना होगा। अध्ययन की अवस्थिति और इन अध्ययनों में प्रयुक्त प्रविधि और इन अध्ययनों के मुख्य परिणामों को ध्यान में रखते हुए समीक्षा लेख लिखिए।

प्राथमिक स्रोत के लिए आपको दो केस अध्ययनों को एकत्र करना होगा और चयनित विषयवस्तु पर रिपोर्ट, तुलनात्मक ढाँचें में लिखें। रिपोर्ट लेखन के दौरान अध्ययन के उद्देश्यों और सम्मुख आने वाली समस्याओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें और

- मुद्दें को वर्तमान/उपलब्ध साहित्य के दायरे में समस्या के रूप में अभिव्यक्त करें;
- अपने प्रेक्षणों, निष्कर्षों एवं परिणामों को संसक्त रूप से व्यक्त करें, और
- उचित संदर्भ (बिंदुओं) का उल्लेख अंत में करें।

एमपीएस–003 : भारत : लोकतंत्र एवं विकास
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएस-003
सत्रीय कार्य कोड : एमपीएस-003/एएसएसटी/टीएमए/2017–2018
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – क

1. लोकतंत्र और विकास एक–दूसरे से किस प्रकार संबंधित है, चर्चा कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रत्येक की लगभग 250 शब्दों में आलोचनात्मक समीक्षा कीजिएः
   क) राज्य के नीति –निर्देशक सिद्धान्त
   ख) गरीबी रेखा का अर्थ

3. भारत में ससंदीय लोकतंत्र की कार्यप्रणाली का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

4. भारत में राष्ट्र–राज्य के प्रति नृ–जातीयता की मुख्य चुनौतियों पर चर्चा कीजीए।

5. भारतीय लोकतंत्र की सफलता में राजनीतिक दलों के योगदान का विश्लेषण कीजिए।

भाग – ख

निम्नलिखित विषयों पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. क) लिंगभेद और न्याय
   ख) भारतीय राजनीति में क्षेत्रीयतावाद

7. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः
   क) अंतर्राज्यीय सहयोग
   ख) भारत में आंतरिक प्रवासन

8. भारतीय लोकतंत्र में गैर सरकारी संगठनों (NGOs) की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।

9. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः
   क) भारत में भाषा और राजनीति
   ख) भारतीय लोकतंत्र में संचार माध्यम की भूमिका

10. भारतीय श्रमिक वर्ग पर नई आर्थिक नीति के प्रभाव की व्याख्या कीजिए।